



6 • LEARNGEETA के माध्यम से गीता अध्ययन का विकास

“आओ, गीता सेवी बनें” — सेवा का सहज, स्वाभाविक और जीवन्त मार्ग

गीता मात्र पढ़ने या सुनने का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को जीने की कला है।

३ मिनट

हिन्दी

जीवन में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं, जब यह अनुभूति गहराने लगती है कि केवल अपने लिए जीना भीतर कहीं एक सूक्ष्म रिक्तता छोड़ देता है। तब मन स्वाभाविक रूप से कुछ देने की आकांक्षा करता है—बिना किसी अपेक्षा, बिना किसी प्रतिफल के।

“आओ, गीता सेवी बनें” इसी मौन पुकार का सहज और सार्थक उत्तर है।

गीता मात्र पढ़ने या सुनने का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को जीने की कला है। जब उसके उपदेश हमारे आचरण और व्यवहार में उतरने लगते हैं, तो सेवा कोई प्रयत्न नहीं रह जाती—वह स्वतः प्रवाहित होने लगती है। यह पहल उसी आन्तरिक जागरण को एक सुंदर, संगठित और प्रेरक दिशा प्रदान करती है।

इस प्रयास की विशेषता यह है कि यहाँ सेवा को कोई दुरुह या असाधारण आदर्श नहीं बताया गया, बल्कि जीवन का स्वाभाविक अंग माना गया है। कोई समय अर्पित कर सेवा करता है, कोई तकनीकी सहयोग देता है, कोई लेखन, अनुवाद या रचनात्मकता के माध्यम से योगदान करता है, तो कोई समन्वय, प्रशिक्षण अथवा पर्दे के पीछे रहकर निःस्वार्थ भाव से कार्य करता है। यही विविध प्रयास मिलकर गीता परिवार की सुदृढ़ और जीवंत नींव बनाते हैं।

इस पहल का बहुभाषी स्वरूप इसे और अधिक व्यापक बनाता है। हिंदी, अंग्रेज़ी, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली और ओड़िया भाषाओं में संचालित यह कार्यक्रम गीता के संदेश को हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर हृदय तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है। निकट भविष्य में मराठी सहित अन्य भाषाओं को जोड़ने के प्रयास इस सेवा-प्रवाह को और विस्तार देंगे।

जब विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गीता-सेवी अपने अनुभव साझा करते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि सेवा केवल समाज का ही नहीं, सेवक का भी रूपान्तरण करती है। अनेक सेवकों ने अनुभव किया है कि सेवा के माध्यम से उनके जीवन में अधिक शांति, धैर्य और संतुलन आया है। यही गीता का जीवंत स्वरूप है—कर्म के माध्यम से आत्मिक उन्नयन।

“आओ, गीता सेवी बनें” यह सशक्त संदेश भी देता है कि हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है। कोई कम समय दे सकता है, कोई अधिक; कोई सामने रहकर सेवा करता है, तो कोई मौन भाव से—पर प्रत्येक योगदान समान रूप से मूल्यवान है। यहाँ न तुलना है, न प्रतिस्पर्धा; केवल सहयोग, समर्पण और सौहार्द है।

यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक द्वार है—

गीता से जुड़ने का,

सेवा को अपनाने का,

और समाज के लिए अपने सामर्थ्य के अनुसार कुछ अर्पित करते हुए आगे बढ़ने का।

अंततः यह पहल हमें स्मरण कराती है कि सेवा कोई अतिरिक्त कर्तव्य नहीं, बल्कि गीता को जीने का स्वाभाविक परिणाम है।

यदि गीता ने हमें जीवन में दिशा, शांति और दृष्टि दी है, तो सेवा के माध्यम से लौटाना केवल हमारा दायित्व ही नहीं—हमारा सौभाग्य भी है।

आइए, सेवा की इस पावन यात्रा का शुभारम्भ करें—

sewa.learngeeta.com के माध्यम से।

ALL EKADASHI DATES IN 2025

06 JULY Sayana Ekadasi

21 July Kamika Ekadasi

05 AUGUST Pavitropana Ekadasi

19 AUGUST Annada Ekadasi

03 SEPTEMBER Parsva Ekadasi

17 SEPTEMBER Indira Ekadasi

03 OCTOBER Celebrate Ekadashi

17 OCTOBER Rama Ekadasi

02 NOVEMBER Utthana Ekadasi

15 NOVEMBER Utpanna Ekadasi

01 DECEMBER Moksada Ekadasi

16 DECEMBER Saphala Ekadasi

31 DECEMBER Putrada Ekadasi



गीता पढ़ें, पढ़ायें,
जीवन में लायें

॥ श्रीहरिः ॥



- यह संकल्प पत्र अपने पूजाघर अथवा किसी महत्वपूर्ण स्थान पर चिपकायें।
- जो कार्य हम 21 दिन तक लगातार कर लेते हैं प्रायः वह हमारी आदत बन जाती है, इसलिये जो-जो संकल्प हम लेना चाहें उसे पहले 21 दिन तक लगातार पूरा करें व उसके बाद उस बिन्दु पर सही का टिक करें।

धर्म अर्जन

- ☐ नित्य कम से कम 15 मिनट पूजा-पाठ व ध्यान साधना के लिये
- ☐ सकल आय का दस प्रतिशत दान, धर्म व सेवा कार्यों के लिये
- ☐ प्रतिदिन रोटी निकालना गौमाता के लिये

परिवार प्रेम

- ☐ रात्रि भोजन परिवार के साथ करना - परिवार में परस्पर प्रेम के लिये
- ☐ कुछ समय नित्य निकालना - बुजुर्गों के लिये
- ☐ पूरा परिवार वर्ष में एक बार साथ जाये - तीर्थाटन के लिये

ज्ञान अर्जन

- ☐ नित्य कम से कम 15 मि. शास्त्र व प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन - ज्ञानार्जन के लिये
- ☐ निरन्तर कुछ नया सीखना, जैसे नयी भाषा, कुकिंग, ड्राइविंग, इत्यादि - व्यक्तित्व विकास के लिये

समाज प्रेम

- ☐ अपने तन-मन-धन-योग्यता को लगाना - निर्बल वर्ग के उत्थान के लिये
- ☐ सप्ताह का एक दिन गौशाला, पौशाला, मन्दिर अथवा गीता परिवार को देना - सेवा कार्यों के लिये
- ☐ अपनी आवश्यकताओं को कम करना और उन वस्तुओं को प्रदान करना - जरूरत मन्दों के लिये

शक्ति अर्जन

- ☐ नित्य टहलना, योग करना - शक्तिवान बनने के लिये
- ☐ धनार्जन करना - स्वावलम्बी जीवन के लिये
- ☐ गीता परिवार के कार्यक्रमों में तन-मन-धन से भाग लेना - सशक्त समाज निर्माण के लिये

देश प्रेम

- ☐ जल, बिजली, पेट्रोल, कागज व आवश्यक साधनों का दुरुपयोग न करना - देश के विकास के लिये
- ☐ सफाई घर, कार्यशाला, सड़क, पार्क, सरकारी कार्यालयों में - स्वच्छ-सुन्दर देश के लिये
- ☐ करों का समय पर पूरा भुगतान - देश की समृद्धि के लिये

HINDI



गीता पढ़ें, पढ़ायें,
जीवन में लायें

॥ श्रीहरिः ॥

२०२६
संकल्प
RESOLUTION 2026

- यह संकल्प पत्र अपने पूजाघर अथवा किसी महत्वपूर्ण स्थान पर चिपकायें।
- जो कार्य हम 21 दिन तक लगातार कर लेते हैं प्रायः वह हमारी आदत बन जाती है, इसलिये जो-जो संकल्प हम लेना चाहें उसे पहले 21 दिन तक लगातार पूरा करें व उसके बाद उस बिन्दु पर सही का टिक करें।

धर्म अर्जन

- ☐ नित्य कम से कम 15 मिनट पूजा-पाठ व ध्यान साधना के लिये
- ☐ सकल आय का दस प्रतिशत दान, धर्म व सेवा कार्यों के लिये
- ☐ प्रतिदिन रोटी निकालना गौमाता के लिये

परिवार प्रेम

- ☐ रात्रि भोजन परिवार के साथ करना - परिवार में परस्पर प्रेम के लिये
- ☐ कुछ समय नित्य निकालना - बुजुर्गों के लिये
- ☐ पूरा परिवार वर्ष में एक बार साथ जाये - तीर्थाटन के लिये

ज्ञान अर्जन

- ☐ नित्य कम से कम 15 मि. शास्त्र व प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन - ज्ञानार्जन के लिये
- ☐ निरन्तर कुछ नया सीखना, जैसे नयी भाषा, कुकिंग, ड्राइविंग, इत्यादि - व्यक्तित्व विकास के लिये

समाज प्रेम

- ☐ अपने तन-मन-धन-योग्यता को लगाना - निर्बल वर्ग के उत्थान के लिये
- ☐ सप्ताह का एक दिन गौशाला, पौशाला, मन्दिर अथवा गीता परिवार को देना - सेवा कार्यों के लिये
- ☐ अपनी आवश्यकताओं को कम करना और उन वस्तुओं को प्रदान करना - जरूरत मन्दों के लिये

शक्ति अर्जन

- ☐ नित्य टहलना, योग करना - शक्तिवान बनने के लिये
- ☐ धनार्जन करना - स्वावलम्बी जीवन के लिये
- ☐ गीता परिवार के कार्यक्रमों में तन-मन-धन से भाग लेना - सशक्त समाज निर्माण के लिये

देश प्रेम

- ☐ जल, बिजली, पेट्रोल, कागज व आवश्यक साधनों का दुरुपयोग न करना - देश के विकास के लिये
- ☐ सफाई घर, कार्यशाला, सड़क, पार्क, सरकारी कार्यालयों में - स्वच्छ-सुन्दर देश के लिये
- ☐ करों का समय पर पूरा भुगतान - देश की समृद्धि के लिये

HINDI

LEARNGEETA

तस्मात् योगी भवार्जुन

Learngeeta.com

ॐ